वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 | अंक : 284 | रविवार 11 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सिरोही दौरा

नए भारत का नया इतिहास लिखने की ओर देश बढ़ा रहा कदम

ब्रह्माकुमारीज संस्थान में ''स्वर्णिम राजस्थान'' अभियान का शुभारंभ

सिरोही/जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सकारात्मक ऊर्जा ही जीवन में प्रगति और परिवर्तन की संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करती है तथा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक पहल से हमारा देश नए भारत का नया इतिहास लिखने की ओर कदम बढ़ा रहा है। शर्मा शनिवार को सिरोही के ब्रह्माकुमारीज संस्थान में 'स्वर्णिम राजस्थान'' अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाई देने में सराहनीय प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा लोगों के स्वास्थ्य, समृद्धि और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जल-जन अभियान, अन्न (मिलेट्स) अभियान तथा गोकुल गांव सर्वांगीण विकास अभियान का राज्य में आज शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के नवाचारों को बढ़ावा दिया जाए जिससे प्रदेश में विकास के नए आयाम स्थापित हो सकें। मुख्यमंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि हमें नागरिक होने के कर्तव्यों का एहसास करना चाहिए और अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद व्यक्ति के बारे में सोचना चाहिए। शर्मा ने कहा कि हमारा छोटा सा कदम भी उनका जीवन बदल सकता है। उन्होंने कहा कि अन्न (मिलेट्स) के उत्पादन में हमारा प्रदेश देश में अग्रणी स्थान रखता है। राज्य सरकार भी प्रदेश में मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने किया राज ऋषि ग्राम प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा आयोजित राज ऋषि ग्राम प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। शर्मा ने प्रदर्शनी में लगाई गई नशा मुक्त भारत अभियान, जल जन अभियान, योगिक खेती और अन्न मिलेट्स अभियान से संबंधित स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने इस अवसर पर ह्यनशा मुक्त भारत अभियानह्न रिपोर्ट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मकुमारीज संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ. दादी रतन मोहिनी ने शर्मा का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

जहां शांति स्थापित होगी, वहां हमारा भविष्य होगा और देश-प्रदेश समृद्धि की ओर जाएगा: मुख्यमंत्री

आबू रोड। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने शनिवार को ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में आयोजित स्वर्णिम राजस्थान कार्यक्रम में शिरकत की। इसके पूर्व संस्थान द्वारा लगाई गई गोकुल गांव- सर्वांगीण विकास अभियान, जल जन अभियान और श्रीअन्न मिलेट्स अभियान प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया। डायमंड हाल में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था ने लोगों के स्वास्थ्य, शिक्षा, समृद्धि, संस्कृति में उत्कर्ष के लिए एक मुहिम छेड़ी है। श्रीअन्न को कैसे बचाया जा सकता है उसकी लिए संस्था ने अभियान शुरू किया है। इससे निश्चित रूप से लोगों को मिलेट्स के बारे में जानकारी मिलेगी। जल जन अभियान से लोगों को जल संरक्षण के बारे में जानने को मिलेगा। जल संरक्षण आज की जरूरत है। इन सभी विषयों को लेकर संस्था जो कार्य कर रही है उसके लिए साधुवाद। कार्यक्रम में विशेष रूप से मंत्री ओटाराम देवासी, मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी मुन्नी दीदी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि आज मेरे लिए बहुत गौरव और हर्ष का विषय है कि शांतिवन के आध्यात्मिक वातावरण में मैं आज यहां आया हूं। मेरा यहां कई बार आना हुआ है। यहां की व्यवस्था और संचालन देखकर कह सकता हूं कि जहां शांति स्थापित होगी, वहां ही हमारा भविष्य होगा। वहीं हमारा प्रदेश और देश समृद्धि की ओर जाएगा। यहां आकर के मुझे बहुत सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। मन को बहुत शांति का अनुभव होता है। यहां के भाई-बहनों का अनुशासन और समर्पण सराहनीय है।

पंचकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत, घटयात्रा, ध्वजारोहण, प्रभु की विशाल शोभायात्रा निकाली गई

जो जितना झुकता है ऊंचाईयों पर पहुंचता हैः मुनि श्री

निंबाहेड़ा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन समाज की ओर से शनिवार को घट यात्रा निकाल कर धर्म ध्वजा फहरा कर पंचकल्याणक महोत्सव की शुरूआत की। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार शनिवार को आदर्श कॉलोनी स्थित नवीन जिनालय से दिगंबर जैन समाज की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली जिसमे समाज की महिलाओ ने अपने सिर पर घट धारण कर श्री जी के समक्ष भक्ति प्रकट की। नवीन शांति नाथ जिनालय से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में प.पू. आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य प.पू. मुनिश्री विमलसागर जी महाराज , प.पू. मुनिश्री अनंतसागर जी महाराज , प.पू. मुनिश्री धर्मसागर जी महाराज एवं प.पू. मुनिश्री भावसागर जी महाराज के सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी प्रदीप भैयाजी 'सुयश' अशोक नगर के निर्देशन में निकली जो कॉलोनी के प्रमुख मार्गो से होती हुई आदिनाथ मांगलिक भवन में जाकर एक धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। शनिवार से प्रारंभ हुए 14 फरवरी तक चलने वाले आनंद प्रदायक पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत 10 फरवरी 2024 विविध धार्मिक कार्यक्रम का शुरूआत ध्वजारोहण का सौभाग्य आर के मार्बल परिवार के अशोक पाटनी ,श्रीमति सुशीला पाटनी ,श्रीमति शांता पाटनी, विमल पाटनी वंडर सीमेंट परिवार किशनगढ़ के द्वारा प्राप्त किया गया बाद में मुनि वृंदो की उपस्थिति में पांडाल शुद्धि ,मण्डप शुद्धि, वेदी शुद्धि ,मंडल शुद्धि, मण्डप प्रतिष्ठा,वेदी प्रतिष्ठा, मण्डल प्रतिष्ठा संस्कार की मांगलिक क्रियाए संपन्न कर धर्मावलंबीयो ने गर्भ कल्याणक पूर्वरूप उत्तररूप की क्रियाएं संपन्न कराई। कार्यक्रम में अरथुना जैन समाज के द्वारा निमार्णाधीन पाषाण के मंदिर में शिखर मे सहयोग देने पर अशोक पाटनी परिवार का सम्मान भी किया गया वही पंचकल्याणक में भगवान के माता पिता बनने पर अनिल दोसी सुषमा दोसी बागीदौरा का सम्मान पंचकल्याणक समिति के द्वारा किया गया, इस अवसर पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए ,मुनि श्री विमल सागर जी महाराज जी ने कहा कि जिस जीव के पंचकल्याणक मनाने जा रहे हैं उस जीव ने भावनाएं भायी थी, जो जितना झुकता है ऊंचाईयों पर पहुंचता है ,यह मंडप मंदिर का रूप ले चुका है, शुद्धि का ध्यान रखें ,जो जगत का कल्याण करने वाले हैं उन भगवान का जन्म होगा ,पूरे विश्व में गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का यश फैल रहा है, यह उनकी माता श्रीमंती पिता मल्लप्पा जी का प्रभाव है ,सभी संताने मोक्ष मार्ग मे बढी है, राजस्थान धन्य हो गया जहां आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की दीक्षा हुई, प्रतिदिन 14 करोड़ दिव्य रत्नों की वर्षा होती है भगवान के जन्म के पूर्व,इस धरा ने राजस्थान के भामाशाह अशोक पाटनी को जन्म दिया जो धर्म की ध्वजा फहराते रहते हैं ,उनकी भावनाएं थी की सबको इस महोत्सव में भाग लेना है, इस अनुष्ठान को विधि पूर्वक करना है। समाज के अध्यक्ष सुशील काला और महामंत्री मनोज पटवारी के अनुसार रविवार को प्रातः कालीन बेला में 5:45 बजे मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र, नित्यमह अभिषेक, शान्तिधारा , पूजन , तीर्थंकर बालक का जन्म,अयोध्या नगरी में बधाइयां,अयोध्या नगरी की परिक्रमा, अयोध्या में प्रवेश ,सौधमंइंद्र शचि का अलौकिक दृश्य ,सहस्त्र नेत्रो से तीर्थंकर बालक के दर्शन के अलावा ऐरावत हाथी पर आरूढ़ सौधर्मइंद्र शचि द्वारा तीर्थंकर बालक को लेकर पंडुक वन की ओर प्रस्थान पांडुक शिला पर 1008 कलशों द्वारा तीर्थंकर बालक का अभिषेक श्रृंगार आदि कार्यक्रम के अलावा मुनि श्री के प्रवचन , शांतिहवन, इंद्रसभा एवं राजदरबार, इंद्राणी द्वारा प्रथम दर्शन,इंद्र द्वारा सहस्त्राक्ष दर्शन तथा सायं 6:30 बजे संगीतमय महाआरती , शास्त्र प्रवचन ,7:30बजे सौधर्म इंद्र द्वारा तांडव नृत्य बालक आदिकुमार का पालना झुलाना एवं बाल क्रीड़ा का मनोहारी दृश्य आदि कार्यक्रम होंगे।

गर्भ कल्याणक पूर्वरूप उत्तर रूप की क्रियाएं संपन्न हुई

स्वः आशा शाह के जन्मदिवस पर थड़ी मार्केट जैन मंदिर में लगाया रक्तदान शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के मानसरोवर स्थित थड़ी मार्केट पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 11, अग्रवाल फार्म पर श्रीमती आशा शाह मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्वः आशा शाह के जन्मदिवस पर शनिवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, शिविर का शुभारंभ प्रातः 9.30 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 3.30 बजे से आयोजित किया गया, इस दौरान 150 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष राजेंद्र शाह ने बताया की शिविर का आयोजन स्वः श्रीमती आशा शाह के जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था, इस आयोजन में दिगंबर जैन महासमिति राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांड्या, प्रदेश अध्यक्ष पूर्व आईपीएस अनिल जैन, प्रदेश मंत्री महावीर बाकलीवाल, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू, सुरेशचंद जैन बांदीकुई वाले, अशोक लुहाड़िया, सुनील गंगवाल, लोकेंद्र पाटनी, राकेश लुहाड़िया, लोकेश सोगानी सहित थड़ी मार्केट जैन मंदिर प्रबंध कार्यकारिणी अध्यक्ष, मंत्री, युवा व महिला मंडल के पदाधिकारियों सहित दिगंबर जैन महासमिति, दिगंबर जैन सोश्यल ग्रुप नवकार सहित अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ, भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद सहित विभिन्न संस्थानों के पदाधिकारी एवं ट्रस्ट के सचिव दीपक शाह, कोषाध्यक्ष अर्चना शाह, वंदना शाह, डॉ महेंद्र जैन, रानी पाटनी, मंजू जैन, कुसुम जैन एवं पवन जैन सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और रक्तदान किया, इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा रक्तदान करने वाले दातारों का प्रमाण पत्र और बेडशीट भेंट कर अभिनंदन किया।

माघमास में भीलवाड़ा में पहली बार होगा श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ का भव्य आयोजन

हनुमान टेकरी स्थित काठियाबाबा आश्रम में होने वाले आयोजन की तैयारियां जारी

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। माघमास के पावन पर्व पर भीलवाड़ा शहर में पहली बार एकादश कुण्डीय श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शहर में छोटी हरणी हनुमान टेकरी स्थित काठिया बाबा आश्रम में बसंत पंचमी 14 फरवरी से शुरू होने वाले इस महायज्ञ का समापन 20 फरवरी को होगा। इस भव्य आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां जारी है। महायज्ञ यज्ञाचार्य आचार्य श्री मुकेश अवस्थी महाराज श्रीधाम वृन्दावन होंगे। महायज्ञ के साथ इस अवधि में श्री राधा रासेश्वरी रासलीला मण्डल श्रीवृन्दावनधाम मथुरा द्वारा प्रतिदिन रात 8 बजे से भक्तिपूर्ण रासलीला का भी आयोजन आश्रम परिसर में होगा। महायज्ञ आयोजन की तैयारियों को लेकर भक्तगणों की बैठक शुक्रवार रात हनुमान टेकरी स्थित काठियाबाबा आश्रम में महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा के सान्निध्य में हुई। इसमें महायज्ञ आयोजन को सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई ओर भक्तगणों को आयोजन से जुड़े अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। उत्साह के माहौल में हुई इस बैठक में भक्तजनों ने आयोजन को सफल बनाने का संकल्प जताया। महन्त बनवारीशरण काठियाबाबा ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी के सहयोग से इस आयोजन को सफल बनाना है। समाज के सभी वर्गो की सहभागिता इस आयोजन में हो इसके लिए प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि श्री कामधेनु सुरभि महायज्ञ आयोजन की शुरूआत 14 फरवरी को सुबह 8.15 बजे कलश यात्रा व मण्डप प्रवेश से होगी। महायज्ञ में अरणी मंथन के तहत 15 फरवरी को अग्नि स्थापना की जाएगी। महायज्ञ की पूणार्हुति एवं महाआरती 20 फरवरी को होगी। महायज्ञ के लिए आश्रम परिसर में विशाल पांडाल तैयार किया जा रहा है। प्रतिदिन सैकड़ो यजमान इस महायज्ञ में आहूति देंगे। इस आयोजन को सफल बनाने में छोटी हरणी के ग्रामवासियों का भी पूरा सहयोग आयोजन समिति को प्राप्त हो रहा है।

महिला जागृति संघ के 51वे स्थापना दिवस पर 68 सदस्य दल ने अंडमान निकोबार की यात्रा की

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ की 51वे स्थापना दिवस पर 68 सदस्य का दल अंडमान निकोबार घूमने रेमिटेस कम्पनी के ईश्वर दास की देखरेख में गया। वहां शशी जैन द्वारा लिखा नाटक संस्कारों की पहचान का मंचन किया गया। वंदना बेला जैन द्वारा प्रस्तुत की गई। नाटक में मंजू पाटनी, सरोज छाबड़ा, बेला जैन, शशी जैन, साधना काला, मीरा जैन, सुनीला, रेणू जैन अपनी अपनी भूमिका निभाई। निशा शाह ने कार्य क्रम की अध्यक्षता की, संघ की अध्यक्ष श्रीमती शशी जैन व बेला जैन, साधना काला सरोज छाबड़ा, रूबी जैन ने सभी ने मेहमानों का स्वागत किया।

जनकपुरी में सहस्त्रकूट जिनालय का सातवां स्थापना दिवस 12 फरवरी को

गणिनी आर्यिका गौरवमति माताजी की परिकल्पना और आचार्य प्रसन्न सागर के दिए सूर्यमंत्रो से निर्मित, वीतराग साधना का शाश्वत धाम सहस्त्रकूट जिनालय में रविवार को सहस्त्रनाम मंडल विधान पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की हृदय स्थली गुलाबी नगर जयपुर में पिछले 44 वर्षो से संयम, शांति और अहिंसा के सिद्धांतों के लिए प्रसिद्ध श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जनकपुरी ज्योति नगर के प्रथम तल पर वर्ष 2018 में एक अतुलनीय स्वर्ण आभा युक्त स्तुपाकार दर्शनीय सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी की परिकल्पना का साकार रूप है। यह आत्म कल्याण की प्रेरणा लेने, विषय कषायो से रूचि कम करने, आदर्श पथ पर और परिणामो में निर्मलता हेतु मोक्ष मार्ग पर उन्मुख होने के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा का स्त्रोत्र बन गया है। अपने अनूठे निर्माण और धार्मिक विश्वासों के लिए विख्यात 31 फीट गोलाई तथा 16 फीट ऊँचाई के स्तूपकार सहस्त्र कूट जिनालय का विशाल गुम्बज और 1008 मुर्तिया के चारों और मनभावन सुनहरी चित्रकारी, चमचमाती लाइट्स, वगार्कार आकर में चौषठ चँवर, सामने घण्टा, अखण्ड ज्योति, शिखर पर मंगल कलश शोभायमान है।

वेद ज्ञान

ईर्ष्या और जलन में अंतर

यदि कभी जलन और ईर्ष्या के बीच रस्साकशी हो तो ईर्ष्या की निश्चित रूप से जीत होगी। हालांकि इन शब्दों का उपयोग परस्पर एक दूसरे के बदले में किया जाता है, पर दोनों के बीच एक अंतर है। जलन मामूली होती है, और अक्सर अधिक दिखाई देती है। ईर्ष्या किसी व्यक्ति की आत्मा से जोंक की तरह चिपक जाती है और काफी मानसिक ऊर्जा का क्षरण कर देती है। स्वाभाविक रूप से, गहरी पैंठ बनाए हुए और बिना बोले हुए, ईर्ष्या की पहचान महसूस करने वाले या दूसरों के द्वारा आसानी से नहीं की जा सकती। बुद्ध धर्म के लोग पांच मानसिक जहरों के बारे में बात करते हैं- जुनून या लोभ, आक्रामकता, भ्रम या अज्ञान, अहंकार और ईर्ष्या। ईर्ष्या का वर्णन ईसाई धर्म के सात घातक पापों के बीच भी होता हैः अभिमान, ईर्ष्या, क्रोध, आलस, लालच, पेटूपन और वासना। एक लोकप्रिय विज्ञापन चापलूसी करते हुए एक उपभोक्ता उत्पाद का प्रोत्साहन कर रहा था कि इसे प्राप्त करने से इसके मालिक में गौरव उत्पन्न हो जाएगा और दूसरों में ईर्ष्या पैदा होगी। यह पृष्ठभूमि में एक शैतान को दिखाता है। इसमें एक ही वाक्य में सात घातक पापों में से दो को महिमामंडित किया गया है। यदि आप उस उत्पाद को हासिल कर लें तो जहां जलन शायद कम हो सकती है या समाप्त हो सकती है, वहीं ईर्ष्या कभी खत्म नहीं होती। ईर्ष्या का एक और प्रतीक है, दूसरों के दुर्भाग्य का आनंद लेने की विशेषता। ला रोशेफुकॉल्ड ने कहा था कि हम सभी में दूसरों के दुर्भाग्य को सहने की काफी ताकत होती है। दूसरे की विफलता या हार में आनंद, हास्य के रूप में लेने पर, परंतु गोरे विडाल के कथन द्वारा उपयुक्त रूप से कहने पर, जब कभी भी किसी दोस्त को सफलता मिलती है, मुझ में कुछ छोटा सा मर जाता है। ईर्ष्या एक जलनों के संकुलन की एक सर्वकालिक कन्वेयर बेल्ट की तरह है। यह किसी व्यक्ति को कटु असंतोष और पश्चाताप से भरते हुए अभाव की भावना पर पोषित होती है, आमतौर पर इस सभी के अन्याय के बारे में, मैं क्यों नहीं की भावना के साथ। इस अवस्था में किसी अपने आशीर्वाद की अनदेखी करना आसान हो जाता है।

संपादकीय

सरकारी प्रयासों पर एक बार फिर सवालिया निशान

उत्तराखंड के हल्द्वानी में सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाने की कोशिश में जिस तरह हिंसा भड़क उठी और बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के घायल होने तथा हिंसा पर उतारू भीड़ पर गोली चलाने से चार लोगों के मारे जाने की खबर आई, उससे अतिक्रमण रोकने के सरकारी प्रयासों पर एक बार फिर गहरा सवालिया निशान लगा है। गौरतलब है कि हल्द्वानी के एक इलाके में सरकारी भूखंड पर कथित रूप से कब्जा कर मजार और मदरसा बना लिया गया था। उसे हटाने के लिए पुलिस और नगर निगम के कर्मचारी वहां पहुंचे तो स्थानीय लोग उग्र हो उठे और पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। अब स्थिति यह है कि पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहां स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस बात की जांच होनी चाहिए कि भीड़ के उग्र और हिंसक होने के पीछे क्या कोई साजिश है! इसी तरह पिछले वर्ष जनवरी में भी हल्द्वानी के ही एक इलाके में रेलवे की जमीन पर कब्जा कर बसी एक बस्ती को हटाने का अभियान चलाया गया था। तब भी खासा हंगामा हुआ। अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उस मामले को मानवीय करार देते हुए अदालत ने बेदखली पर रोक लगा दी थी। हल्द्वानी में और भी ऐसी जगहें हैं, जहां लोगों ने अतिक्रमण कर बस्तियां या मकान-दुकान बना ली है। पिछले वर्ष भी वन विभाग, रेलवे और राजस्व विभाग के भूखंडों पर से

अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया गया था। पता चला कि कई जगहों पर भूमाफिया ने सौ और पांच सौ रुपए के स्टांप पर लोगों को सरकारी जमीन बेच दी थी। उन पर लोग घर बना कर रह रहे हैं। उनमें से ज्यादातर स्थानीय निवासी नहीं हैं। वे वहां मजदूरी वगैरह करने के लिए गए थे। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी भूखंड पर किसी को अवैध रूप से कब्जा कर रिहाइश या कोई कारोबारी भवन बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि प्रशासन और सरकार को तभी ऐसी जगहों को खाली कराने की सुध क्यों आती है, जब लोग वहां बस्तियां बसा चुके होते हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां अवैध रूप से कायम की गई बस्तियां आबाद न हों। ये बस्तियां कोई एक दिन में या रातोंरात तो बस नहीं जातीं। कहीं-कहीं तो लोग दावे करते हैं कि वे पचास-पचास वर्ष से रह रहे हैं। सरकारी भूखंडों पर कब्जे की प्रवृत्ति पुरानी और उजागर है। इसके पीछे सक्रिय लोग भी करीब-करीब पहचाने हुए होते हैं। सरकारी अमले और भूमाफिया के बीच गठजोड़ के जरिए अतिक्रमण कराया जाता है। फरीदाबाद के वनक्षेत्र में वर्षों से आबाद हजारों लोगों की बस्ती को भी इसी तरह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हटाना पड़ा था। ऐसे मामलों में ठगे और मारे जाते हैं, वे गरीब लोग, जिन्हें धोखे में रख कर भूमाफिया कम कीमत पर जमीन बेच देते हैं। यही नहीं, कई जगह तो बस्तियां बसने के बाद उनमें बिजली-पानी की सुविधाएं भी सरकारी विभागों द्वारा उपलब्ध करा दी जाती हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अपराध...

मुंबई में फेसबुक पर सीधे प्रसारण के दौरान शिवसेना के एक पूर्व विधायक के बेटे की जिस तरह गोली मार कर हत्या कर दी गई, वह अपने आप में एक दहला देने वाली घटना है। इसमें हत्या करने वाले व्यवसायी ने खुद को भी गोली मार कर खुदकुशी कर ली। इसलिए यह मामला बेहद उलझ गया लगता है। हालांकि शुरूआती जांच के मुताबिक दोनों में लंबे समय से निजी दुश्मनी थी और इसी प्रतिद्वंद्विता में उनके बीच पहले भी टकराव हो चुके थे, मगर वह एक-दूसरे के लिए परेशानी पैदा करने तक सीमित था। कुछ समय पहले दोनों के बीच सुलह हो गई थी और उन्होंने अपने इलाके के हित के लिए मिल कर काम करने की घोषणा की थी। मगर ताजा घटना से यह साफ है कि पहले की दुश्मनी इस हद तक थी और उसकी जड़ें इतनी गहरी थीं कि फेसबुक पर बातचीत के सीधे प्रसारण के दौरान हत्या की यह त्रासद घटना हुई। संभव है कि इस वाकये की जांच में कुछ प्रत्यक्ष कारणों से इतर कुछ और वजहें भी सामने आएं, मगर इतना साफ है कि मरने वाले दोनों लोगों के बीच संबंधों में जैसी तल्खी थी, उसका अंजाम कुछ भी हो सकता था। हालांकि राजनीति की दुनिया में कब आपसी टकराव दुश्मनी की शक्ल ले ले या फिर आम लोगों को चौंकाते हुए सुलह सामने आ जाए, कहा नहीं जा सकता। हाल ही में महाराष्ट्र के ही उल्हासनगर में एक भाजपा विधायक और उसके एक साथी ने जमीन विवाद की वजह से एकनाथ शिंदे के गुट वाले शिवसेना के एक नेता पर पुलिस थाने के भीतर गोलीबारी कर दी थी। इस तरह की आपराधिक घटनाओं को अब जिस तरह बिना किसी हिचक के सार्वजनिक रूप से अंजाम दिया जा रहा है, उससे लगता है कि कानून-व्यवस्था का खौफ खत्म हो गया है। सोशल मीडिया पर बातचीत के सीधे प्रसारण के दौरान हत्या की घटना यह बताती है कि जब दुश्मनी का रूप बेहद

जटिल हो जाता है, तब शायद बहुत सोच-समझ कर ऐसा तरीका आजमाया जाता है, जो व्यापक पैमाने पर लोगों पर असर डाले। अपराध की यह बदलती प्रकृति सरकार और पुलिस-प्रशासन के लिए एक चुनौती है कि इनसे कैसे निपटा जाए। मगर कानून का खौफ कायम कर अपराध की रोकथाम भी संभव है।

17 मेधावी सिख बच्चे-बच्चियां आज (11फरवरी को) सम्मानित होंगे

शाबाश इंडिया। कौन बनेगा गुरु सिख बच्चा संस्था (केबीजीबी) द्वारा दी सिख टैलेंट हंट के अंतर्गत एजुकेशन एवं स्पोर्ट्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 17 मेधावी सिख बच्चे आज जवाहर नगर गुरमत समागम में सम्मानित होंगे। 9 लड़कियां और 8 लडकों में से 5 एकेडमिक, 2 एलएलएम, 3 पीएचडी, 5 राष्ट्रीय खेलों में 1सीए और 1बीटेक में अव्वल प्रदर्शन किया। जिन्हे एक्सीलेंस अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। चयनित बच्चों को सफेद कुर्ता, पायजामा लाल पगड़ी और लड़कियों को नीली चुन्नी में आना होगा।

ओंकार सिंह: अध्यक्ष @ 9982222606, संलग्न : चयनित बच्चों की फोटो

प्रथम हर्बल चर्म रोग निदान शिविर के बैनर एवं पैम्फलेट का अनावरण समारोह आयोजित

डडूका. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा 25 फरवरी को आयोज्य प्रथम हर्बल चर्म रोग निदान शिविर के पैंपलेट एवं बैनर का लोकार्पण समारोह सरपंच रेखा महवाई के मुख्य आतिथ्य, सुंदरलाल पटेल की अध्यक्षता, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी जसकरण सिंह भाबोर, रणजीत सिंह सोलंकी एवं कमलाशंकर ताबियार के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया। शिविर प्रभारी अजीत कोठिया ने आयुर्वेदिक चिकित्सालय परिसर मे 25फरवरी को सुबह 9से सांय 5बजे तक आयोज्य शिविर के पंजीकरण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी। सरपंच रेखा महवाई ने शिविर का सभी ग्रामीणों से अधिकाधिक लाभ लेने आह्वान किया। अध्यक्ष सुंदरलाल पटेल ने डा गौरांग शाह के इस शिविर मे सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की।

गृहस्थाचार परम्परा के क्रमिक विकास विषय को सारगर्भित भाषा में समझाया

जयपुर. कासं। राजस्थान जैन साहित्य परिषद द्वारा श्री दिगम्बर जैन मंदिर, गायत्री नगर में आयोजित मासिक गोष्ठी में सरस्वती पुत्र, मूर्धन्य विद्वान, श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य श्रेष्ठी श्री शीतल चन्द जी ने अपनी ओज पूर्ण, सरल भाषा में जैन गृहस्थाचार परम्परा के क्रमिक विकास विषय को सारगर्भित भाषा में समझाया। जिससे उपस्थित श्रावक गण लाभान्वित हुए। सभा के प्रारंभ में श्राविका श्रीमती सुनन्दा जी अजमेरा ने मंगलाचरण, मंदिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश चन्द जी छाबडा, मंत्री श्री राजेश जी बोहरा, सम्मानीय श्री संतोष कुमार जी रांवका, परिषद के अध्यक्ष श्री डा विमल कुमार जी, मंत्री श्री हीराचंद जी वेद, गोष्ठी के संयोजक श्री महावीर कुमार चान्दवाड, संयुक्त मंत्री श्री रमेश कुमार जी गंगवाल, श्रेष्ठी श्री भाग चन्द जी बाकलीवाल मित्रपुरा वालों ने दीप प्रज्ज्वलित कर सभा प्रारंभ की घोषणा की गई। मंच संचालन श्री रमेश कुमार जी गंगवाल, परिषद का परिचय डाक्टर श्री विमल कुमार जी, संस्था से जुडने हेतु गोष्ठी के संयोजक।

शेखावत उग्रसेन की जयंती सामाजिक एकता और बालिका शिक्षा पर जोर देने के संदेश के साथ मनायी गई

सताना. शाबाश इंडिया

शेखावत उग्रसेन जयंती समारोह खोले वाले महाराज राम सिंह के मंदिर परिसर मे पूज्य संत राघवेंद्र दास महाराज के सानिध्य और विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह शाहपुरा के मुख्य आतिथ्य में ग्राम सताना में मनायी गई । कार्यक्रम में खेल , शिक्षा और सरकारी सेवा में नव चयनीत प्रतिभाओं का सम्मान किया गया इस दौरान पूर्व सांसद गोपाल सिंह ईडवा, भाजपा नेत्री रतना कुमारी ,युवाम संस्थान निदेशक मान सिंह पीथलपुर ,दहेज विरोधी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलिप सिंह महरोली, अमरसरवाटी तंवरावाटी भोमिया संघ के अध्यक्ष डॉ संपत सिंह दिवराला , शेखावत उग्रसेन समिति के अध्यक्ष करण सिंह सांदरसर, गोवर्धन सिंह दिवराला,विराटनगर ग्रामीण राजपुत सभा अध्यक्ष सुरेश बैद के साथ समाज के प्रबुद्ध जन और मातृशक्ति उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन करमवीर सिंह दिवराला और जयपाल सिंह मांडोता ने किया। समारोह समापन पर ग्राम मैड़ व सताना के समाजजनों ने आँगनतुको का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विवेक विहार दिगंबर जैन मंदिर में आदिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीआदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में गुरुवार को जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का मोक्ष कल्याणक धूमधाम से मनाया गया ..समाज के सहसचिव नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि भगवान आदिनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर मंदिर में सुबह भगवान आदिनाथ के विशेष अभिषेक किए गए । अभिषेक के पश्चात संगीतमय विधान पूजन का कार्यक्रम हुआ । इसमें समाज के श्रावक श्राविकाओं ने बढ़ चढ़कर पूजन विधान में भाग लिया । नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि शाम को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के स्वास्थ्य लाभ हेतु सामूहिक णमोकार मंत्र पाठ का आयोजन मंदिर परिसर में किया गया।एवं आदिनाथ भगवान की 108 दीपक से सामूहिक आरती उतारी गई।इस दौरान संगीतकार संजय जैन लाडनू आदिनाथ भगवान पर भजनों की प्रस्तुति दी । इस अवसर पर समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस ,सचिव सुरेंद्र पाटनी, सहसचिव दीपक सेठी,कोषाध्यक्ष पारसमल छाबड़ा, सहकोषाध्यक्ष नीरज ठोलिया, उपाध्यक्ष भागचंद पाटनी,कार्यक्रम संयोजक मनोज कासलीवाल, पारसमल गंगवाल, आशीष शाह,राजमती पाटनी, मैना कासलीवाल, शशि जैन सहित समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं महिलाएं उपस्थित थे।

थॉमस अल्वा एडिसन-एक नायक माँ का, प्रतिभाशाली बेटा

जन्मदिन पर विशेष

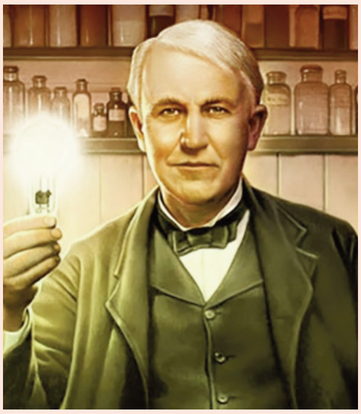

उदयपुर। हाल ही में इस फानी दुनिया से रूखसत हुए उर्दु के मशहूर शायर मुनव्वर राणा साहब का एक खूबसूरत शेर है... जरा सी बात है लेकिन हवा को कौन समझाये, दिये से मेरी माँ मेरे लिए काजल बनाती है...... शेर का सन्दर्भ समझने के लिए......जरा गौर फरमाइएङ्कङ्क....एक बच्चे ने स्कूल से घर आकर अपनी माँ के हाथों में चिट्ठी थमाते हुए कहा कि मेरे स्कूल टीचर ने ये खत आपके लिए दिया है। माँ ने खत पढ़ा और उसकी आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे। बच्चे ने रोने का कारण पूछा तो माँ ने कहा कि इसमें लिखा है कि आपका बेटा बहुत प्रतिभाशाली है। हमारा स्कूल बहुत छोटा है और इसे पढ़ाने के लिए यहां अच्छे शिक्षक भी नहीं हैं। कृपया इसे आप स्वयं सिखाएं। बस फिर क्या था। इस माँ ने अपने लाडले बेटे को घर पर ही पढ़ाना व सिखाना शुरू किया और बना दिया दुनिया का महान आविष्कारक ''थॉमस अल्वा एडिसन'', जिसने बल्ब बनाकर पूरी दुनिया को रौशन कर दिया। अपनी माँ, नैंसी मैथ्यू इलियट की मौत के बाद एडिसन एक दिन घर की कुछ पुरानी चीजों को देख रहे थे तो अचानक उन्हें स्कूल टीचर का दिया हुआ, वही खत मिल गया, जिसे पढ़कर घ्इस बारह्व एडिसन रोने लगे। क्योंकि उसमें लिखा था कि आपका बेटा मानसिक रूप से बीमार है। हम इसे अब स्कूल नहीं आने देंगे। तब विश्व के महान आविष्कारक ने अपने टीचर के ये कटु शब्द पढ़कर रोते-रोते लिखा- ''थॉमस अल्वा एडिसन'' एक मानसिक विमंदित बच्चा था, जो एक 'नायक माँ' के कारण सदी का प्रतिभाशाली व्यक्ति बन गया। 11 फरवरी 1847 को अमेरिका में जन्मे थॉमस अल्वा एडिसन अपने प्रयोगों में दस हजार से ज्यादा बार असफल हुए, लेकिन फिर भी हार नहीं मानी और आखिरकार अपनी मेहनत और लगन से बल्ब बनाने में कामयाब हुए। इतना ही नहीं इन्होंने करीब 1093 आविष्कारों के पेटेंट हासिल किए, जिनमें सबसे चर्चित आविष्कार बल्ब का था। आज इस महान आविष्कारक के जन्मदिन पर शाबाश इंडिया की ओर से इन्हें शत-शत नमन और दुनिया की ऐसी तमाम महान माँओं के लिए फिर से मुनव्वर साहब का ये बेहतरीन शेर.......

जब भी कश्ती मिरी सैलाब में आ जाती है,
माँ दुआ करती हुई ख़्वाब में आ जाती है...

वसंत पंचमी के रीति-रिवाज और धार्मिक मान्यताएं

भारत के प्रसिद्ध त्यौहारों में से एक बसंत पंचमी भी हैं। बसंत पंचमी का नाम आप सभी ने जरूर सुना होगा लेकिन केवल कुछ लोग ही यह जानते होंगे 'बसन्त पंचमी' क्यों मनाई जाती हैं?

शाबाश इंडिया

एक धार्मिक देश हैं और अलग-अलग धर्मों की विभिन्न मान्यताओं के कारण भारत में कई त्यौहार मनाए जाते हैं, लेकिन खुशी की बात यह है कि अलग-अलग त्योहारों का अलग-अलग धर्मों से जुड़े होने के बावजूद भी पूरा देश इन त्योहारों को एक साथ मिलकर मनाता हैं। शायद यही कारण हैं की विदेशी लोग भी हमारी साथ मिलकर रहने की सभ्यता से काफी ज्यादा प्रभावित हैं। भारत के प्रसिद्ध त्यौहारों में से एक बसंत पंचमी भी हैं। बसंत पंचमी का नाम आप सभी ने जरूर सुना होगा लेकिन केवल कुछ लोग ही यह जानते होंगे 'बसन्त पंचमी' क्यों मनाई जाती हैं? बसंत पंचमी एक हिन्दू त्यौहार हैं वैसे तो इसे भारत के बाहर भी कई देश जैसे की नेपाल, भूटान, पाकिस्तान और बंगलादेश में भी मनाया जाता हैं लेकिन इसके लिए सबसे अधिक उत्साह भारत में ही रहता हैं। वसन्त पंचमी होली से 40 दिन पहले आती हैं और इसी दिन से होलिका के लिए तैयारियां भी शुरू की जाती हैं। माघ महीने में मनाई जाने वाली बसंत पंचमी त्यौहार पूरे देश में अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। हर साल धूमधाम से मनाया जाने वाला यह त्यौहार नए मौसम के आने का संकेत देता है। इस दिन लोग फसल काटने से लेकर सरस्वती देवी की पूजा और पंतगबाजी करते है। इस दिन लोग पीले कपड़े और पीले पकवान के साथ अपनी खुशियों को सेलिब्रेट करते है। पारम्परिक रूप से इस त्यौहार को शीत ऋतु के जाने और बसंत ऋतु आने के रूप में सेलेब्रेट किया जाता है। इस दिन के साथ पूरे देशभर से कई रीति-रिवाज जुड़े हुए है, जिसे लोग आज भी मानते है। आज मैं आपको इस दिन से जुड़े ऐसे ही कुछ रीति-रिवाज और धार्मिक मान्यताओं के बारे में बताने जा रही हूँ।

बंगाल की रोचक बसंत पंचमी

बंगाल के लोगों के लिए दुर्गा पूजा के बाद अगर किसी फेस्टिवल को लोग सबसे ज्यादा उत्साहित होते हैं तो वो है सरस्वती पूजा। एक तरह से ये उनका वैलेंटाइन डे होता है। सरस्वती पूजा को यहां बोंग वैलेंटाइन डे के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लड़कियां पीली साड़ी, कुर्ती पहनती हैं, तो लड़के कुर्ता-पजामा। यह दोस्ती की शुरूआत और प्यार का इजहार करने के लिए सही समय माना जाता है। पूजा-पाठ के साथ ही इस दिन बंगाल में हाथेखोड़ी परंपरा का भी आयोजन किया जाता है। यह एक ऐसी परंपरा है जिसमें पहली बार कोई बच्चा अपने हाथों में चॉक या पेंसिल पकड़ता है और परिवार वालों की मदद से स्लेट पर कुछ लिखता है। मां देवी के सामने की जाने वाली इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि बच्चा बुद्धिमान होता है। बंगाल में इस दिन देवी सरस्वती की मूर्ति पंडाल में सजाई जाती है, साथ भी मां की आराधना विधिपूर्वक की जाती है। मां सरस्वती को मीठे पीले चावल और बूंदी के लड्डू चढ़ाते हैं। बंगाल में कम से कम 13 व्यंजन बनाने की रस्म होती है।

पंजाब और हरियाणा

पंजाब और हरियाणा के लोग भी इस त्योहार को बड़ी धूम धाम से मानते हैं। इस दिन लोग स्वादिष्ट भोजन जैसे मक्के की रोटी और सरसों का साग, खिचड़ी और मीठे चावल बनते हैं।

उत्तर प्रदेश और राजस्थान

उत्तर प्रदेश और राजस्थान के लोग इस दिन मां सरस्वती की पूजा अर्चना करते हैं। इस दिन पीले चावल केसर वाले बनाए जाते हैं। राजस्थान में लोग इस दिन चमेली की माला पहनते हैं।

बिहार

बिहार में लोग इस दिन लोग बूंदी के लड्डू और खीर चढ़ाते हैं और मां सरस्वती को इसका भोग लगवाते हैं और अपने जानने वाले लोगों में इसको बटवाते हैं।

देवी सरस्वती पूजा विधि

माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि, वसंत पंचमी के रूप में सर्वविदित है। इस दिन ज्ञान, वाणी और ललित कलाओं की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। सत्वगुण से उत्पन्न होने के कारण इनकी पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्रियां अधिकांशः श्वेत वर्ण की होती हैं जैसे श्वेत चन्दन, श्वेत वस्त्र, फूल, दही-मक्खन, सफेद तिल का लड्डू, अक्षत, घृत नारियल और इसका जल, श्रीफल, बेर इत्यादि। इस दिन सुबह स्नानादि के पश्चात श्वेत अथवा पीले वस्त्र धारण कर विधिपूर्वक कलश स्थापना करें। श्वेत फूल-माला के साथ माता को सिन्दूर व अन्य श्रृंगार की वस्तुएं भी अर्पित करें। वसंत पंचमी के दिन माता के चरणों पर गुलाल भी अर्पित करने का विधान है। प्रसाद में मां को पीले रंग की मिठाई या खीर का भोग लगाएं। यथाशक्ति "ॐ ऐं सरस्वत्यै नमः" का जाप करें। माँ सरस्वती का बीजमंत्र "ऐं" है जिसके उच्चारण मात्र से ही बुद्धि विकसित होती है।

रोचक मान्यता

माना जाता है कि गुजरात और मध्य प्रदेश में फैले दंडकारण्य इलाके में मां सीता को खोजते हुए भगवान राम आये थे और यहीं पर मां शबरी का आश्रम था। कहा जाता है कि वसंत पंचमी के दिन ही रामचंद्र जी यहां आये थे। इसलिए इस क्षेत्र के वनवासी आज भी एक शिला को पूजते हैं, जिसके बारे में उनकी श्रध्दा है कि श्रीराम आकर यहीं बैठे थे। वहां शबरी माता का मंदिर भी है।

वसंत पंचमी का इतिहास

वसंत पंचमी के ही दिन पृथ्वीराज चौहान जैसे वीर ने विदेशी हमलावर मोहम्मद गौरी का वध करके आत्मबलिदान दिया था, इसलिए भी यह दिन मानक है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस रंग को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस रंग को डिप्रेशन दूर करने में सबसे कारगर माना जाता है। साथ यह दिमाग को पूर्णतः सक्रिय रखने में मददगार साबित होता है। इस रंग से आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है।

पौराणिक मान्यता

हिंदु पौराणिक कथाओं में प्रचलित एक कथा के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने संसार की रचना की। उन्होंने पेड़-पौधे, जीव-जन्तु और मनुष्य बनाए, लेकिन उन्हें लगा कि उनकी रचना में कुछ कमी रह गई। इसीलिए ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से जल छिड़का, जिससे चार हाथों वाली एक सुंदर स्त्री प्रकट हुई। उस स्त्री के एक हाथ में वीणा, दूसरे में पुस्तक, तीसरे में माला और चौथा हाथ वर मुद्रा में था। ब्रह्मा जी ने इस सुंदर देवी से वीणा बजाने को कहा। जैसे वीणा बजी ब्रह्मा जी की बनाई हर चीज में स्वर आ गया। तभी ब्रह्मा जी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया। वह दिन वसंत पंचमी का था। इसी वजह से हर साल वसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती का जन्मदिन मनाया जाने लगा और उनकी पूजा की जाने लगी। ज्ञान और वाणी की देवी मां सरस्वती माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को ही ब्रह्माजी के मुख से प्रकट हुई।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

किसी को ये खौफ है कि परमात्मा देख ना ले..
और किसी की ये आरज़ू कि परमात्मा देखता रहे..!
एक फकीर हुआ जो बड़ा विद्वान, अनुभवी सन्त था। एक दिन राह से गुजर रहा था, उसने सामने से आते हुए एक लंगड़े भिखारी को देखा। भिखारी की एक टांग टूटी हुई थी, परन्तु उसके चेहरे पर जो आनन्द, जो खुशी, जो प्रसन्नता और सन्तुष्टि देखी, उसे देखकर, मैं तो हैरान हो गया। सन्त ने उस भिखारी से पूछा -- बड़ी अभाव पूर्ण कठिन ज़िन्दगी है तुम्हारी। पैरों से लाचार, फिर भी चेहरे पर आनंद, मन की प्रसन्नता का कारण क्या है-? ऐसी खुशी, आनंद तो बड़े-बड़े धनपतियों के चेहरे पर भी नजर नहीं आता--? भिखारी ने बहुत गहरी बात कही, महात्मा जी -- ये सच है कि मैं गरीब हूँ, लाचार हूँ, यह भी सच है, कि मैं रोज भीख मांगता हूँ। पर मैं यह सोचकर प्रसन्न और सन्तुष्ट बना रहता हूँ कि इस दुनिया में हजारों-लाखों ऐसे भी लोग है, जिनकी स्थिति हमसे भी बदतर है। उनके ना हाथ है, ना पैर है। कुछ अन्धे हैं, तो कुछ बहरे हैं। कुछ के तो दोनों ही नही है, तो कुछ गूंगे है। मेरे सौभाग्य से दो आँख है , जिनसे मैं देख रहा हूँ। दो कान है, जिनसे मैं सुन रहा हूँ। दो हाथ है, जिनसे मैं खा पी रहा हूँ। जिन्हें फैलाकर मैं भीख भी मांग रहा हूँ। मैं सोचता हूँ कि मैं उन लोगों से कितना बेहतर हूँ। फिर मैं क्यो ना खुश रहूँ, क्यों ना आनन्दित रहूँ। एक पैर नहीं है तो क्या हुआ -? बाकी तो सब कुछ है। इसको कहते हैं दुःख में से सुख खोजना। जो है सो है। किसी ने कहा - ऐ ज़िन्दगी -- तू खेलती बहुत है खुशीयों से हमारी.. हम भी इरादे के पक्के हैं, मुस्कुराना नहीं छोड़ेंगे...।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

प्रोफेसर रमेश कुमार रावत लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक पुरस्कार से सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर रमेश कुमार रावत को इंटीग्रेटेड सोसाइटी ऑफ मीडिया प्रोफेशनल्स की ओर से बाल गंगाधर तिलक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार हरदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय जयपुर, राजस्थान के कुलपति और डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान के प्रभारी कुलपति प्रोफेसर सुधि राजीव और इंटीग्रेटेड सोसाइटी ऑफ मीडिया प्रोफेशनल्स राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. पूजा सिंह से प्राप्त हुआ।

इस पुरस्कार के साथ प्रोफेसर रावत को प्रशस्ति पत्र भी दिया गया। इस मौके पर उनकी पत्नी सविता देवी रावत भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर रमेश कुमार रावत और उनकी पत्नी सविता देवी रावत ने प्रोफेसर सुधि राजीव और डॉ. पूजा सिंह को सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस दौरान प्रोफेसर सुधि राजीव ने सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गंगटोक, सिक्किम के विकास के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर प्रो. रमेश कुमार रावत ने यह भी बताया कि सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भी बी.एससी. चला रही है। नर्सिंग, जीएनएम, बी.एससी. पोस्ट बेसिक नर्सिंग, बी.फाटमा, डी. फाटमा, बीएमएलटी, डीएमएलटी, कानून, विभिन्न कला, फार्मा, नर्सिंग और संबद्ध और स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रम सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी गंगटोक और बुडांग परिसरों द्वारा चल रहे हैं। डॉ. पूजा सिंह ने बताया कि प्रोफेसर रमेश कुमार रावत को यह पुरस्कार पत्रकारिता के क्षेत्र में सकारात्मक रिपोर्ट और कहानियां लिखने और ऐसी रिपोर्टों और कहानियों के माध्यम से देश के प्रति समर्पण के लिए दिया गया है। यह भी एक रिकॉर्ड है कि प्रोफेसर रमेश कुमार रावत को पुस्तक लेखन, वृत्तचित्र फिल्मों और पत्रकारिता और जनसंपर्क के क्षेत्र में योगदान के लिए विभिन्न इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, पीआरएसआई पुरस्कार, पीआरसीआई पुरस्कार और कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए।

हाड़ौती ब्लड डोनर सोसायटी कोटा के मनोज चंचलानी नेशनल ह्यूमैनिटी अवार्ड 2024 से सम्मानित

कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा की संस्था हाड़ौती ब्लड डोनर सोसायटी को उनकी सामाजिक सेवाओं को देखते हुए, श्रीगंगानगर में हेल्प इंडिया फाउंडेशन द्वारा मोती पैलेस हॉल में नेशनल ह्यूमैनिटी अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। संस्था के कोटा संस्थापक मनोज चंचलानी ने बताया कि ये अवार्ड हमे दिया गया है। ये हमारे सभी रक्तवीर भाइयों बहनों और सेवादारों को समर्पित है जो कि इमरजेंसी में जरूरतमंदों को रक्त की सहायता पंहुचाते है। इस अवसर पर अतिथि श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहानी, सीओ एससी एसटी सेल श्रीगंगानगर राजस्थान पुलिस संजीव कुमार चौहान, राजस्थान के मशहूर कॉमेडी कलाकार राकेश लोहार, समाजसेवी राजकुमार जोग, केसर सिंह मलेरकोटला पंजाब रहें। समाजसेवी संस्थाओं ने हाड़ौती ब्लड डोनर सोसायटी ३कोटा की कोरोनाकाल की सेवाओं की सराहना की 150 से ज्यादा रक्तदान शिविर होने पर शुभकामनाएं दी। भारत के कोने कोने से आये ब्लड कोर्डिनेटर रक्तवीरों और संयोजको को स्मृति चिन्ह,प्रमाण पत्र देकर व दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर मनोज चंचलानी ने इस सम्मान के लिए विनोद जी राजपूत और सभीकी रक्तवीरों का दिल से धन्यवाद किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com